भारत सरकार

उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय

खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 3977

12 अगस्त, 2026 के लिए प्रश्न

आधुनिक भंडारण क्षमता

3977. श्री जसवंतसिंह सुमनभाई भाभोर:

क्या **उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

सरकार द्वारा जनजाति बहुल दाहोद लोक सभा निर्वाचन-क्षेत्र में सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) का निर्बाध संचालन सुनिश्चित करने तथा खाद्यान्नों को नष्ट होने से बचाने के लिए आधुनिक भंडारण क्षमता विकसित करने हेतु उठाए जा रहे अतिरिक्त कदमों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण राज्य मंत्री

(श्रीमती निमुबेन जयंतीभाई बांभणिया)

खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग (डीएफपीडी) ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के निर्बाध संचालन को सुनिश्चित करने और खाद्यान्नों को नुकसान से बचाने के लिए गुजरात सहित पूरे देश में भंडारण क्षमता के आधुनिकीकरण हेतु निम्नलिखित कदम उठाए हैं:

स्मार्ट वेयरहाउस परियोजना: इस परियोजना के तहत, पारंपरिक डिपो को स्मार्ट वेयरहाउस में परिवर्तित किया जाता है, जो विभिन्न संवेदकों जैसे धूम्र संवेदक, अग्नि संवेदक और गेट खुलने वाले संवेदक आदि से सुसज्जित होते हैं। ये संवेदक CO_2, फॉस्फीन स्तर, आग के खतरे, आर्द्रता, अनधिकृत प्रवेश और तापमान जैसे प्रमुख मापदंडों की वास्तविक समय में निगरानी करते हैं।

स्मार्ट वेयरहाउस सभी डिपुओं में वास्तविक समय की दृश्यता, समय पर हस्तक्षेप, डेटा-आधारित निर्णय लेना और मानकीकृत संचालन सुनिश्चित करता है, जिससे अनाज के सुरक्षित, संरक्षित और कुशल भंडारण और वितरण में योगदान मिलता है।

डिपो दर्पण पोर्टल: सरकार ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के तहत खाद्यान्न भंडारण डिपुओं और गोदामों की निगरानी, पारदर्शिता और दक्षता बढ़ाने के लिए डिपो दर्पण पोर्टल नामक डिजिटल प्लेटफॉर्म शुरु किया है।

...2/-

डिपो दर्पण की प्रमुख विशेषताएं और उद्देश्य:

क. डिपो/गोदाम प्रबंधक भौगोलिक रूप से टैग किए गए बुनियादी अवसंरचना और संचालन संबंधी डेटा अपलोड करके अपने डिपुओं के बुनियादी अवसंरचना का आकलन करते हैं।

ख. पोर्टल एक समग्र अंकन प्रणाली का उपयोग करता है, जो डिपुओं का आकलन दो व्यापक श्रेणियों - अवसंरचना और परिचालन मापदंडों - के आधार पर करता है।

ग. अंक के आधार पर डिपुओं को ग्रेड दिया जाता है।

घ. 100% पर्यवेक्षक अधिकारी सत्यापन के माध्यम से डेटा का सत्यापन किया जाता है।

ड. एफसीआई के स्वामित्व वाले और किराए पर लिए गए गोदाम तथा सीडब्ल्यूसी के सभी गोदाम डिपो दर्पण पोर्टल में शामिल हैं।

क्षति को कम करने के लिए आधुनिक साइलो का विस्तार:

साइलो - खाद्यान्नों का वैज्ञानिक भंडारण: साइलो भंडारण थोक खाद्यान्नों के भंडारण की एक अत्यधिक मशीनीकृत और आधुनिक विधि है, जो बेहतर संरक्षण और बढ़ी हुई शेल्फ लाइफ सुनिश्चित करती है। पारंपरिक भंडारण विधियों की तुलना में इसमें केवल एक तिहाई भूमि की आवश्यकता होती है, परिवहन और अन्य खर्चों में कमी आती है, जैसे कि बोरी से संबंधित खर्च, श्रमिक की आवश्यकता कम होती है और वैज्ञानिक प्रबंधन और भंडारण पद्धतियों के माध्यम से गुणवत्ता में निरंतरता सुनिश्चित होती है।

दिनांक 30.06.2026 तक की स्थिति के अनुसार, देशभर में **76 स्थानों** पर कुल **39 लाख टन** क्षमता वाले स्टील साइलो प्रचालन में हैं। इनमें से 2 लाख टन क्षमता वाले साइलो गुजरात में 5 स्थानों पर स्थित हैं।

इसके अतिरिक्त, पीडब्ल्यूएस योजना के तहत मेसर्स विलोहित कॉर्पोरेशन, दाहोद से दिनांक 28.09.2025 से 27.09.2027 की अवधि के लिए 8,960 टन भंडारण क्षमता किराए पर ली गई है।

*****